हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 9 जून 2025

तापमान
अधिकतम 43 .5 डिग्री
न्यूनतम 22 .6 डिग्री

11 पुलिस की ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 19270 वाहनों के किए चालान

12 ओवरलोड डंपरों पर सीएम फ्लाइंग का फिर से शिकंजा, चौदह डंपर पकड़कर वसूला जुर्माना

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। राहगीरों को शीतल जल पिलाते युवक। फोटो :हरिभूमि

ततारपुर खालसा में छबील लगाकर मीठा पानी पिलाया

धारूहेड़ा। रविवार को गांव ततारपुर खालसा के आशाराम चौक पर युवाओं ने छबील लगाकर राहगीरों को मीठा शीतल जल पिलाया। आशाराम यादव, पूर्व सरपंच अभय सिंह यादव, शीशराम फौजी, वीरेन्द्र मुंशी, विजय फौजी, मनीष यादव, कृष्ण यादव, अनूप व विरेन्द्र ने धर्म-कर्म के पुण्य कार्य में सहयोग किया।

रेवाड़ी। महिला के गले से चेन तोड़ता आरोपी सीसीटीवी में कैद।

महिला के गले से चेन झपट कर आरोपी फरार

रेवाड़ी। सेक्टर मिनी बाइपास पर एक व्यक्ति दिन-दहाड़े महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। सेक्टर-3 चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सेक्टर-3 निवासी बीना 7 जून दोपहर को करीब 1:15 बजे प्राइम अस्पताल के पास से अपनी बेटी को ट्यूशन से लेने जा रही थी। जब वह गली में पहुंची तो एक व्यक्ति ने पीछे से उसके गले से सोने की चेन झपट ली और स्कूटी पर फरार हो गया। महिला ने काफी शोर मचाया और व्यक्ति का पीछा किया, लेकिन आरोपी भागने में कामयाब हो गया। चेन छीनने की वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

डेढ़ वर्षीय बच्चे के साथ महिला लापता

रेवाड़ी। रामपुरा थाना क्षेत्र के गांव से महिला अपने डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ लापता हो गई। महिला के पति ने रामपुरा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी 6 जून को शाम करीब 3 बजे से घर से लापता है तथा अपने साथ डेढ़ वर्षीय पुत्र को भी साथ ले गई है। पत्नी के मोबाइल फोन पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। अपने स्तर पर ससुराल व रिश्तेदारियों तलाश करने पर भी उनका कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मालाहेड़ा से घर के बाहर खड़ी इको ले गए चोर

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा क्षेत्र के गांव मालाहेड़ा में घर के बाहर खड़ी इको गाड़ी चोरी हो गई। गांव निवासी सत्यवान ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने 4 जून को अपने घर के बाहर गली में इको गाड़ी खड़ी की थी। जब सत्यवान ने 5 जून को सुबह करीब चार बजे सुबह देखा तो इको गाड़ी गायब थी। काफी तलाश करने पर भी गाड़ी का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने अज्ञात पर गाड़ी चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

टीपी स्कीम से लाखों के आभूषण ले गए चोर

रेवाड़ी। टीपी स्कीम कॉलोनी स्थित मकान से चोर शनिवार रात्रि को करीब 2 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण व कैश चोरी कर ले गए। विजय कुमार ने गोकल गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 7 जून को रात करीब 12 बजे उनका परिवार सभी दरवाजे व खिड़कियां बंद करके सो गया था। रविवार सुबह सुबह 5 बजे उठे तो घर के कमरों का सामान बिखरा हुआ था तथा अलमारियों के ताले टूटे हुए मिले। जब उन्होंने चेक किया तो बाहर के कमरे की ग्रिल काटी हुई थी।

मानसून से ब्रांच कटिंग नहीं होने से बढ़ी समस्या

बिजली की लाइनों के पास खड़े पेड़ बने आफत
हल्की बरसात के बाद अर्थिंग से लाइनें बंद

■ बरसात के मौसम में फॉल्ट होती रहेंगी बिजली की लाइनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बिजली की लाइनों के साथ खड़े पेड़ बिजली निगम के लिए मुसीबत साबित होने लगे हैं। इन पेड़ों की टहनियां एचटी लाइनों के संपर्क में आने के बाद बारिश शुरू होते ही अर्थिंग बनाती हैं, जिससे संबंधित लाइन फॉल्ट हो जाती हैं। सब स्टेशनों के फीडर रात को एक बार ब्रेकडाउन होने के बाद सुबह तक नहीं चल पाते, जिससे बड़ी संख्या में गांवों में अंधेरा छाया रहता है। बुधवार की रात डहीना सब स्टेशन के चार फीडर बंद हो गए, जिन्हें चलाने के लिए रात भर निगम स्टाफ को मशक्कत करनी पड़ी। इसके बावजूद सुबह तक कई गांवों की बिजली बंद रही।

प्री-मानसून बारिश के बाद बिजली की 11 केवी लाइनों के आसपास खड़े पेड़ों की टहनियों का तेजी से विकास हो रहा है। यह टहनियां बढ़ने के बाद बिजली की लाइनों के संपर्क में आने लगी हैं। मौसम साफ रहते टहनियों के तारों के संपर्क में आने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

बारिश होने पर जब यह टहनियां भीग जाती हैं, तो अर्थिंग के कारण लाइन फॉल्ट हो जाती हैं। रात के समय लाइन फॉल्ट होने के बाद उसे ठीक करना बिजली कर्मियों के लिए आफत बन जाता है। एक बार फॉल्ट ठीक करने के बाद बारिश की स्थिति में दूसरे स्थान पर अर्थिंग से लाइन होल्ड नहीं हो पाती, जिससे उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ती है। शहरी क्षेत्र में निगम कर्मियों की ओर से ब्रांच कटिंग कार्य कुछ समय पूर्व ही पूरा कर लिया गया था, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बिजली की लाइनों पर पेड़ों की टहनियां टिकी हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लाइन ट्रिप होने की समस्या लगातार बनी हुई है।

रेवाड़ी। ग्रामीण क्षेत्रों में 11 केवी बिजली लाइनों को छू रहे पेड़। फोटो :हरिभूमि

रात को बंद रहे कई गांवों के फीडर

वीरवार की रात बारिश के कारण डहीना सब स्टेशन के अधीन आने वाले कंवाली, गोठड़ा, डहीना व जैनाबाद गांवों की ओर जाने वाली लाइनों के फीडर फॉल्ट आने के कारण बंद हो गए। देर रात निगम कर्मचारियों ने इन फीडरों को चालू कराना शुरू किया। रात भर बिजलीकर्मी फीडर चालू कराने के कार्य में लगे रहे। इसके बावजूद कुछ गांवों की बिजली रात भर गुल रही। कृषि फीडर भी फॉल्ट आने बंद हो रहे हैं, जिससे खेतों में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जगमग योजना के फीडर भी बाधित

दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम ने जगमग योजना के तहत गांवों में अलग फीडर बनाकर 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की हुई है। फीडरों की लाइनों के संपर्क में पेड़ों की टहनियां आने के कारण यह फीडर भी बार-बार बंद हो रहे हैं, जिससे इन फीडरों की बिजली सप्लाई घंटों बाधित रहती है। आंधी या बारिश आते ही यह फीडर ट्रिप कर जाते हैं, जिसके बाद इन्हें चालू करना मुसीबत बन जाता है।

पेड़ों की टहनियां कटवाने के निर्देश दिए

सभी सब डिविजन के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बिजली की लाइनों के आसपास खड़े पेड़ों की टहनियां कटवाने के लिए ब्रांच कटिंग का कार्य तत्काल शुरू करें। मानसून से पहले ब्रांच कटिंग का कार्य पूरा कराया जाएगा, ताकि बिजली व्यवस्था बाधित नहीं हो।
-प्रदीप चौहान, एसई, डीएचबीवीएन।

स्टाफ की कमी से बढ़ रही परेशानी

निगम सूत्रों के अनुसार डीएचबीपीएन में लाइनमैन और सहायक लाइनमैन के पद बड़ी संख्या में खाली पड़े हुए हैं। सब स्टेशनों पर ब्रेकडाउन ड्यूटी के लिए दो से तीन कर्मचारी ही मौजूद रहते हैं। सब स्टेशनों पर सात से आठ फीडर बने हुए हैं। एक साथ कई फीडरों के ट्रिप होने के बाद इन कर्मचारियों के लिए सभी लाइनों की पेट्रोलिंग और फॉल्ट ढूंढना मुश्किल बना रहता है। यह कर्मचारी रात भर फीडर चालू कराने के लिए फील्ड में फॉल्ट ढूंढते नजर आते हैं।

गवर्नमेंट ब्वॉयज स्कूल में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के तत्वावधान में राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या सरोज यादव ने की। नोडल अधिकारी राजेश यादव ने बताया कि कैंप में विद्यालय में अध्ययनरत लगभग 100 छात्रों व स्टाफ ने बढ़चढ़कर भाग लिया। समापन सत्र में शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ ने पिछले सात दिनों की गतिविधियों को रेखांकित किया। बच्चों ने आधारभूत अभिवादन, अभिव्यक्तियां, वर्णमाला, संख्याएं, हस्ताक्षर, वर्चुअल सिटी टूर, वास्तविक जीवन के वातालाप अभ्यास, कला, संगीत, नृत्य, चित्रकारी, स्थानीय पाककला, फलों व सब्जियों की प्रजातियों के नाम, संस्कृति सराहना, श्रवण कौशल का विकास, सशस्त्र बल के नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों व कलाकारों के बारे में जानकारी, ऐतिहासिक स्मारकों, पर्वतों व नदियों की जानकारी से इतिहास व भूगोल का ज्ञान अर्जित किया। प्राचार्या सरोज यादव ने सभी छात्रों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए।

रेवाड़ी। कैंप के समापन पर मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

दिव्य ज्योति जागृती संस्थान ने नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

■ मुख्यातिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने रैली को रवाना किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिव्य ज्योति जागृती संस्थान की ओर से रविवार को नशा उन्मूलन संकल्प कार्यक्रम में तहत नशीली दवाओं के दुरूपयोग की रोकथाम पर जागरूकता रैली निकाली गई। आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी सुश्री दीपांकरा भारती ने रैली का संचालन किया। जागरूकता रैली बाल भवन से शुरू होकर शिव चौक, बस स्टैंड, दुर्गा माता मंदिर, पुरानी सब्जी मंडी, मोती चैक, गोकल गेट, रेलवे रोड व झज्जर चौक होते हुए दिव्या ज्योति जागृती संस्थान टीपी स्कीम कॉलोनी में सम्पन्न हुई। मुख्यातिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने रैली को रवाना किया। इस मौके पर भाजपा नेता व रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा के सदस्य दीपक मंगला, विश्व हिंदू परिषद् के जिला अध्यक्ष राधेश्याम मित्तल, पंडित हिमांशु पालीवाल, एडवोकेट मुकेश रंगा व अजय रंगा मौजूद थे। साध्वी दीपांकर भारती ने युवाओं से बुरी संगति से नाता तोड़ने व नशे की लत को छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि रैली का उद्देश्य समाज में तंबाकू के सेवन से होने वाले खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना है। भाजपा जिला अध्यक्ष डा. पोपली ने कहा कि तंबाकू के सेवन से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारी युवा पीढी लगातार नशे की ओर बढ़ रही है। नशीली चीजों का सेवन करना एक ऐसी लत है, जिसमें पड़ने के बाद व्यक्ति अपना मानसिक संतुलन धीरे-धीरे खोने लगता है। इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य लोग व दिव्य जागृति संस्थान के सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। शहर में नशे के खिलाफ रैली निकालते हुए। फोटो :हरिभूमि

पंचायत में समाज में फैल रही कुरीतियों पर चर्चा

■ वक्ताओं ने महापंचायत में समाज में फैल रही कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा जाट समाज की ओर से रविवार को जाट धर्मशाला में महापंचायत का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने महापंचायत में समाज में फैल रही कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। जिलेभर से आए जाट समाज के लोगों ने मंथन किया और नशा सहित विवाह शादियों में फिजूल खर्च पर रोक लगाने पर चर्चा की। पंचायत की अध्यक्षता अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी युद्बबीर सिंह सहरावत ने की व अखिल भारतीय जाट महासभा के हरियाणा अध्यक्ष डा. राजेंद्र सिंह सूरा बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। इस मौके पर जाट समाज के नेताओं ने कहा कि ब्लैक थार पर जो युवा जाट लिखवाए घूम रहे हैं, इससे समाज आगे बढ़ने वाला नहीं है। पंचायत के दौरान बड़ी संख्या में जाट समाज के लोग मौजूद रहे। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति का बार-बार उठता रहा। पंचायत में युवाओं में सूखे नशे की बढ़ती प्रवृति पर ध्यान देने, शादियों में फिजूल खर्च पर रोक लगाने, लिंगानुपात सुधार पर ध्यान देने, मृत्युभोज पर अंकुश लगाने पर काम करने, काली गाड़ियों के शौक से युवाओं को दूर रखने पर मंथन किया गया। जाट सभा के पूर्व प्रधान चरणसिंह ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना होगा। समाज के युवा काली गाड़ियों पर जाट लिखवाए घूम रहे हैं, उससे समाज का फायदा होने वाला नहीं है। समाज के सुधार में हर व्यक्ति को प्रयास करना होगा।

रेवाड़ी। पंचायत में मौजूद जाट समाज के लोग। फोटो :हरिभूमि

गलती से जहरीली दवा पीने से युवक की मौत

■ पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली उपमंडल के खेड़ी गांव में शनिवार को एक 20 वर्षीय युवक की घर में गलती से जहरीली दवा पीने से मौत हो गई। मृतक युवक सुमित के पिता कृष्ण कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका लड़का शनिवार को खेत में काम करके घर आया था। सुमित ने पिता को बताया कि उसका जी घबरा रहा है। सुमित ने घर में मौजूद दवा के स्थान पर गलती से जहरीली दवा पी ली, उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन सुमित को तुरंत रेवाड़ी नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंची कोसली पुलिस ने पिता के ब्यान पर सामान्य कार्रवाई करते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

सरकारी सेवा से रिटायर हुए दो अधिकारियों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के गांव पाड़ला निवासी महेश पाल तंवर हरियाणा सिंचाई विभाग में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने के बाद जिलेदार के पद से रिटायर हो गए तथा नैहचाना गांव निवासी भारतीय सेना की इंटेलीजेंस कोर के सूबेदार मेजर धर्मपाल चौहान भी रिटायर हो गए। रविवार को महाराणा प्रताप जयंती समिति, रेजांगला शौर्य समिति एवं राजपूत प्रतिनिधि सभा परिवार में रिटायर्ड महेश पाल और धर्मपाल चौहान का समाज सेवा के लिए पदार्पण हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक रेस्तरां में आयोजित कार्यक्रम में दोनों अधिकारियों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा व महाराणा प्रताप जयंती समिति के अध्यक्ष एवं रेजांगला शौर्य समिति के महासचिव राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत, जय सिंह तंवर पूर्व सरपंच, असिस्टेंट कमांडेंट वेद प्रकाश यादव, अजय पाल ठाकुर, दल सिंह आर्य, बाबूदान सिंह तंवर रिटायर्ड कार्यकारी अभियंता, खड़ग सिंह नंबरदार, मनफूल सिंह, सुनील तंवर, रेखा चौहान व पवन यादव मौजूद थे।

रेवाड़ी। रिटायर्ड अधिकारियों को सम्मान करते समिति सदस्य। फोटो :हरिभूमि

श्रद्धालुओं ने रवि प्रदोष व्रत रखकर की भगवान शिव की आराधना

■ नित्य कार्यों से निवृत होकर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दूध-दही, घी, शहद, गंगाजल आदि से अभिषेक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

श्रद्धालुओं ने रविवार को प्रदोष व्रत रख कर पूरे विधि-विधान के अनुसार देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। नित्य कार्यों से निवृत होकर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दूध-दही, घी, शहद, गंगाजल आदि से अभिषेक किया। रविवार का दिन सूर्य देव को समर्पित होता है। ऐसे में इसका महत्व बढ़ गया। ऐसा माना जाता है कि इस उपवास का पालन करने से व्यक्ति को सूर्य के अशुभ प्रभावों से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही शत्रुओं पर विजय, मान-सम्मान में वृद्धि और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कहा जाता है कि प्रदोष व्रत करने से भगवान भोलेनाथ भक्तों पर बड़े प्रसन्न होते हैं। भक्तों पर भोलेनाथ की असीम कृपा होती है। जो भी भक्त प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करते हैं, उनको भोलेनाथ मनचाहा वरदान देते हैं। यह व्रत भगवान शिव को समर्पित है। श्रृद्धालुओं ने प्रदोष व्रत पर भगवान शिव, देवी पार्वती, भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय और नंदी की पूजा अर्चना की। जो श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य, धन, समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन का आशीर्वाद मिलता है। जो विभिन्न रोगों से पीड़ति हैं उन्हें भी राहत मिलती है। युवतियां सुयोग्य वर या संतान की प्राप्ति के लिए सोम प्रदोष का व्रत रखती आ रही हैं।

जमीनी विवाद को लेकर दंपति के साथ लाठी डंडों से मारपीट

रेवाड़ी। गांव बोहका में जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे पति-पत्नी को काफी चोटें आई। गांव निवासी सुरेश देवी ने खोल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 जून को शाम करीब 5 बजे वह अपने पति रामधन के साथ खेतों को देखने के लिए गई थी। तभी वेदमित्र, दयानंद व सुशीला उनके खेत की बुआई के लिए गांव के सतपाल को ट्रैक्टर सहित ले आए। जब उन्होंने खेत की बुआई करने से मना किया तो वेदमित्र, सुशीला व दयानन्द ने दोनों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी, जिससे दोनों को काफी चोटें आई। डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सुरेश देवी व रामधन को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर पहुंचाया। सुरेश देवी ने पुलिस को बताया कि दोनों पक्षों का जमीन को लेकर विवाद चल रहा है।

साहित्य

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

कहानी

ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था ।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी। मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुटकु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना । इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिरागों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता

राज़ ख्यालिया

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरजमीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत

प्रीति पाठक 'प्रीति'

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का श्रृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी ख़ुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा

डॉ. अंजना गर्ग

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।
' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '
तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'
नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हूं हाथ पर ही।'
' तो इनका क्या करेगी?'
' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'
' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।
' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'
' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?
' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।
' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'
' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'
' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

युवा साथी एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ने लगाई छबील

नारनौल। भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहे राहगीरों के लिए युवा साथी ग्रुप हरियाणा और उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्य आगे आए और छबील लगाई। इन समर्पित युवाओं ने मिलकर नारनौल-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 148 बी पर राहगीरों को तपती धूप में ठंडक पहुंचाने के लिए निःशुल्क नींबू पानी पिलाने की सराहनीय पहल की है। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में अचानक गर्मी बढ़ गई है जिससे हाईवे पर सफर करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दूर तक पानी की कोई मुफ्त व्यवस्था न होने के कारण यात्रियों, खासकर पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों को प्यास से व्याकुल होना पड़ रहा था।

32 व्यक्तियों के दिल की जांच हुई

कनीना। कनीना मंडी स्थित लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को आयोजित 87वें हृदय एवं सामान्य रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 32 जरूरतमंद मरीजों ने स्वास्थ लाभ उठाया। शिवकुमार अग्रवाल व योगेश कुमार ने बताया कि सेवा भारती की और से आयोजित इस शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.रजत अग्रवाल, हिमानी अग्रवाल की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। इस दौरान इसीजी, बीपी वशूगर की भी जांच की गई।

सात दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव कैंप का समापन

महेंद्रगढ़। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी तलवाना में सात दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव कैंप का समापन हुआ। प्राचार्य धर्मवीर सिंह तथा विज्ञान अध्यापक मनोज कुमार ने इन सात दिनों के दौरान विद्यार्थियों द्वारा जो सीखा गया, उस पर विस्तार से चर्चा की गई व भविष्य में भी छात्रों को इस प्रकार के होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस प्रकार के कैंप ज्ञानवर्धक होने के साथ ही सीखने की प्रेरणा भी देते हैं। ऐसे आयोजन में शामिल होने से ही विद्यार्थियों में प्रतिभा का विकास होता है।

मई में वाहन चालकों पर 8 करोड़ 77 लाख 11 हजार से अधिक जुर्माना लगाया

नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 19 हजार 270 वाहनों के किए चालान

- पुलिस की चेतावनी, जारी रहेगा चेकिंग अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखा छोड़कर हवाबाजी करने व ब्लैक फिल्म लगी गाड़ी चलाने वालों के साथ-साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत पुलिस ने गत मई माह में 19270 वाहन चालकों के चालान करते हुए 115 वाहन इंपाउंड किए। इन वाहनों में 13 बुलेट पटाखा मोटरसाइकिल, 178 ब्लैक फिल्म वाहन, 2272 रॉन्ग पार्किंग, 7778 विदाउट हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, 2879 विदाउट नंबर प्लेट, 263 विदाउट हेलमेट, 23 विदाउट सीट बेल्ट, 3096 ट्रिपल राइडिंग, 190 ड्रिंकिंग ड्राइविंग, 4 प्रेशर हॉर्न बजाने पर, 107 ऑवर स्पीड, रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 549 तथा 2434 लेन

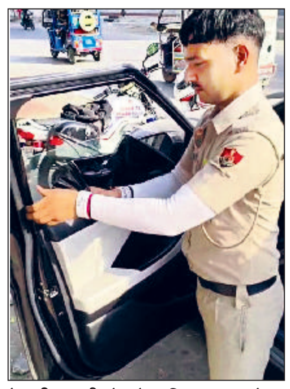
रेवाड़ी। गाड़ी से ब्लैक फिल्म उतारते हुए पुलिसकर्मी।

चेंज करने के वाहन शामिल है। पुलिस की ओर से इन वाहनों के चालकों पर 8 करोड़ 77 लाख 11 हजार 900 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। पुलिस का उद्देश्य जिले की सड़कों को सुरक्षित बनाकर होने वाले सड़क हादसो को रोकना है, जिसके लिए अभियान चलाकर आमजन को ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूक भी किया गया। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि सभी यातायात नियमों का पूरी तरह से पालना करें, तेज रफ्तार में गति सीमा को न तोड़े, प्रेशर होरन न बजाएं, रोड के बीच में अपने वाहन को कभी भी न रोके, वाहन को मोड़ते समय हमेशा इंडिकेटर का प्रयोग करें, तेज आवाज में गाड़ी के अंदर संगीत ने बजाएं, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाए, सीट बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग करें, नशा करके वाहन न चलाएं और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। एसपी ने बुलेट मोटरसाइकिल पर पटाखा छोड़कर हवा बाजी करने वालों को सचेत करते हुए कहा कि अभी केवल पुलिस केवल चालान ही कर रही है, समय रहते संभल जाएं नहीं तो केस दर्ज होगा।

व्यवस्था सुधारना सभी की जिम्मेदारी

हेमेंद्र कुमार

एसपी मीणा ने यातायात थाना प्रभारी सहित सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए है कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के बकाया चालान को भरवाना सुनिश्चित करें तथा चालान न भरने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। पुलिस विभाग की तरफ से सभी वाहन चालकों को हिदायत दी गई है कि जिन वाहनों के ट्रैफिक चालान लंबित है वे समय रहते इन्हें भरना सुनिश्चित करें अन्यथा पुलिस द्वारा ऐसे वाहनों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। एसपी ने कहा कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने और ट्रैफिक नियमों की पालना करना हम सभी की जिम्मेदारी है, इसलिए आमजन भी अपनी जिम्मेदारी समझे। अक्सर वाहन चालक बाजारों में अपने दुपहिया और चौपहिया वाहनों को सड़क के बीच में या फिर बेतरतीब तरीके से खड़े कर जाते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। सभी लोग अपने वाहनों को पार्किंग स्थान पर ही खड़ा करें।

कृषि योजनाओं से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

देश व प्रदेशभर में चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसानों को कृषि विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. प्रमोद यादव, खंड कृषि अधिकारी नवीन कुमार, रविन्द्र जाखड़, पशुपालन एवं डेयरी विभाग से डा.नीलम कुमारी,डा. नवीन कुमार, बागवानी विभाग से नरेश यादव व मिट्टी पानी जांच विभाग के अधिकारी डा. सतीश कुमार ने किसानों को अपने-अपने विभाग द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं, सरकार की ओर से दिए जाने वाली अनुदान राशि और आवेदन करने के बारे में बताया। अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया।

रेवाड़ी। किसानों को जानकारी देते हुए कृषि अधिकारी।

अधिकारियों ने बताया कि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सभी विभागों द्वारा एक छत के नीचे सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कृषि, पशु, मिट्टी पानी जांच, बागवानी, उत्पादित उत्तम बीज, कीटनाशक दवा, मिट्टी पानी जांच, पशुपालन, उत्तम कृषि यंत्र, किसान पहचान पत्र बनवाने, मोटा अनाज के उपयोग की जानकारी दी।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सरपंच महेंद्र सिंह यादव, हेमचंद्र यादव, कृष्णचंद्र गनवाल, महावीर, प्रेमप्रकाश नाहड़, एडवोकेट गुरदयाल सिंह, पंच अमित कुमार, पंच इन्द्रजीत सिंह, पंच नरेश कुमार, सुभाष पंच, उदयभान थानेदार, महावीर सिंह, राजेन्द्र सिंह, बलराज, अनिल शर्मा व सुरेन्द्र सिंह सहित अनेक किसान उपस्थित थे।

किला रोड पर लगाई छबील, विधायक भी पहुंचे

नारनौल। सामाजिक एवं अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की ओर से किला रोड पर छबील लगाई गई। इस दौरान आवागमन करने वाले लोगों को दूध एवं पानी पिलाया गया। इस छबील को देख कर विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव भी अपने काफिले के साथ अपना आशीर्वाद देने पहुंचे। उन्होंने भी आते जाते राहगीरों को शीतल शर्बत पिलाया और संस्था की तारीफ करते हुए कहा कि आप सभी बधाई के पात्र है। संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने बताया कि इन दिनों सूर्य देवता अपने प्रचण्ड प्रकोप पर है। चारों तरफ तेज धूप के साथ गर्मी अपने चरम पर है। वही संस्था के सदस्य मनीष गर्ग, डॉक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि ऐसी प्रचण्ड गर्मी में शीतल जल एवं पेय पर्दाथ ही लोगो को राहत का अच्छा स्त्रोत है। संस्था के मार्गदर्शक मदन लाल गोगिया ने कहा कि इस प्रचण्ड गर्मी में अत्यंत जरूरी काम हो तभी लोग अपने घरों से बाहर निकले।

आईटीआई में दाखिला लेने से पहले रुचि के अनुसार कोर्स चुनें : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

जिले के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यानि आईटीआई में सत्र 2025-26 के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जोकि 20 जून तक जारी रहेगी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि युवा दाखिला लेने से पूर्व अपनी रुचि व योग्यता के अनुसार कोर्स का सावधानीपूर्वक चयन करें ताकि उन्हें भविष्य में बेहतर रोजगार अवसर मिल सकें। प्र त्ये क कोर्स की जानकारी विभागीय वैबसाइट पर उपलब्ध है। डीसी ने बताया कि जिले के सभी आईटीआई संस्थानों में डीएसटी यानि दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली के तहत कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। यह

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा।

प्रणाली युवाओं को सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान दोनों का अनुभव प्रदान करती है। डीएसटी कोर्स की विशेषता यह है कि विद्यार्थी पहले वर्ष संस्थान में अध्ययन करते हैं और दूसरे वर्ष संबंधित ट्रेड के अनुरूप उन्हें कंपनियों में भेजा जाता है, जहां वे वास्तविक औद्योगिक माहौल में कौशल अर्जित करते हैं। डीसी ने कहा कि यह प्रणाली विद्यार्थियों के कौशल निर्माण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है, क्योंकि इससे उन्हें औद्योगिक अनुभव के साथ-साथ रोजगार के अधिक अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को आईटीआई में दाखिला लेने के लिए प्रेरित करें और उनके लिए सही कोर्स के चयन में मार्गदर्शन करें। सभी राजकीय आईटीआई संस्थानों में हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए है, जहां पर अनुभवी कर्मचारी व अधिकारी विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया और कोर्स चयन में आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

आईजीयू में महाराजा अग्रसेन चेयर एडवाइजरी कमेटी की बैठक सम्पन्न, कई विषयों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में रविवार को कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी की अध्यक्षता में महाराजा अग्रसेन पीठ की एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन भी उपस्थित थे। सर्वप्रथम हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी का अभिनंदन किया। महाराजा अग्रसेन पीठ इंचार्ज डा. ममता अग्रवाल ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया, जिसमें यज्ञशाला के नक्शे, रोजगार मेले के आयोजन एवं यूजी

रेवाड़ी। आईजीयू में एडवाजरी कमेटी की बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य।

व पीजी के इंटर्नशिप पर चर्चा की गई। बैठक में शीघ्र ही अग्रसेन यज्ञशाला का कार्य पूरा करने का निर्णय लिया गया, जिसके लिए जिला सचिव रिपुदमन गुप्ता ने यज्ञशाला के स्वरूप का रोडमैप प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को सुगमता से रोजगार मिल सके, इसके लिए रोजगार मेला लगाया जाएगा तथा विद्यार्थियों के इंटर्नशिप के लिए उपयुक्त कंपनियों से संपर्क किया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने महाराजा अग्रसेन पीठ पर पीएचडी के लिए सीट को विश्वविद्यालय के विभाग से जोड़ने की बात रखी। हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन ने कहा कि ये चेयर पूरे हरियाणा प्रदेश की एक मात्र चेयर है, इस चेयर के माध्यम से शीघ्र ही पीएचडी की सीट आरक्षित की जाएगी। पीएचडी करने वाले छात्रों को सम्मेलन में स्कॉलरशिप दी जाएगी।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर अशोक सोमानी, बृजलाल गोयल, मुकेश भट्ठेवाले, विनयशील गोयल, रमेश मित्तल, गोपाल गोयल, अमित गुप्ता, विजय सिंघल, दीपक अग्रवाल, प्रो. सुनील कुमार, एक्सईन सुरेंद्र यादव, वाणिज्य विभाग से प्रो. अदिति शर्मा अनिल कुमार उपस्थित थे।

सूरज कॉलेज की बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी कोर्स के छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र

रिया शर्मा

मनीषा

विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान पाया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर और संत कबीर की मूर्तियों का बास किरारोद उमराबाद में होगा अनावरण

- चौधरी फूल सिंह महायच के सौजन्य से मूर्तियों की स्थापना 11 जून को सुबह 9 बजे की जाएगी

हरिभूमि न्यूज नारनौल

प्रमुख समाजसेवी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के सेवानिवृत्त मैनेजर चौधरी फूल सिंह महायच के सौजन्य से दादा रणधीर प्रांगण बास किरारोद उमराबाद में डॉ. अंबेडकर और संत कबीर की मूर्तियों की स्थापना 11 जून को प्रातः 9 बजे की जाएगी। डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा समिति के तत्वावधान में आयोजित समारोह में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण मुख्य अतिथि सर्व अजा संघर्ष समिति के महासचिव एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा समिति बास

नारनौल। संत कबीर एवं डा. अंबेडकर।

किरारोद उमराबाद के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल द्वारा किया जाएगा, वहीं संत कबीर की मूर्ति का अनावरण चौधरी फूल सिंह महायच की धर्मपत्नी एवं प्रमुख समाजसेविका कृष्णा महायच के कर–कमलों द्वारा किया जाएगा। समारोह के आयोजक बास किरारोद उमराबाद निवासी चौधरी फूल सिंह महायच ने बताया कि मूर्तियों के स्थापना स्थल पर चारदीवारी का निर्माण, सौंदर्यीकरण, मूर्तियों के निर्माण के साथ_–साथ स्थापना दिवस पर भण्डारे आदि का समस्त खर्चा उनके द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इन मूर्तियों की स्थापना महापुरुषों द्वारा समाज के लिए किए गए सुधारों एवं आदर्शों को आने वाली भावी पीढ़ियों के मार्गदर्शन एवं प्रेरणास्त्रोत के उद्देश्य से की गई है। इससे पूर्व भी चौधरी फूल सिंह के सहयोग से उनके अपने गांव में गत वर्ष से प्रथम कक्षा से दसवीं कक्षा तक एक योग्य और अनुभवी शिक्षक के अथक प्रयास की वजह से 50 बच्चों की पढ़ाई के स्तर में अविश्वसनीय सुधार आया है, जिसका श्रेय भी चौधरी फूल सिंह महायच व अध्यापक ईश्वर सिंह सैनी को जाता है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और वक्ताओं द्वारा महापुरुषों की जीवनी पर प्रकाश डाला जाएगा।

कॉलेज एडमिशन का अंतिम दिन आज

इस बार कॉमर्स और फिजिकल एजूकेशन के कोर्स में रुचि नहीं दिखा रहे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

स्नातक कक्षाओं में गत नौ जून से ऑनलाइन दाखिला रजिस्ट्रेशन का शुरू हुआ सिलसिला सोमवार को थम जाएगा। नौ जून को रजिस्ट्रेशन का अंतिम दिन होगा, जो मध्य रात्रि तक रहेगा। तत्पश्चात एडमिशन वेबसाइट को बंद कर दिया जाएगा। कॉलेज एडमिशन रजिस्ट्रेशन के अब तक चले सिलसिले के अनुसार नारनौल के ब्वायॅज कॉलेज की सीटों एवं ऑनलाइन हुए रजिस्ट्रेशन की संख्या को देखकर स्पष्ट हो रहा है कि इस बार विद्यार्थियों में बैचलर ऑफ कॉमर्स तथा फिजिकल एजूकेशन में कोई खास रुचि नहीं है। यही वजह है कि अंतिम दिन आने के बावजूद इन विषयों में सीटें खाली रहने का

खतरा बना हुआ है। कॉमर्स की जहां लगभग 28 प्रतिशत तो फिजिकल एजुकेशन की 10 प्रतिशत सीटें अब भी रिक्त दिखाई जा रही हैं। गौर हो कि जिला मुख्यालय पर लड़कों एवं लड़कियों के दो कॉलेज बने हुए हैं। लड़कियों के कॉलेज में जहां केवल लड़कियां एजुकेशन ले सकती हैं, वहीं ब्वॉयज कॉलेज में को-एजूकेशन यानि दोनों के लिए शिक्षा लेने का प्रावधान किया गया है। यहां की पीजी कक्षाओं में लड़के एवं लड़कियां दोनों साथ-साथ पढ़ाई करते देखे जा सकते हैं। वर्तमान में चल रही दाखिला प्रक्रिया के दौरान देखने को मिला है कि ब्वॉयज कॉलेज में यूजी के बैचलर ऑफ आर्ट विषय में 660 सीटें निर्धारित हैं तथा इन सीटों की तुलना में अंतिम दिन से एक दिन पहले तक 699 विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं, जो लगभग 105 प्रतिशत बनता है, यानि कला संकाय में अब सभी छात्रों को दाखिला मिल पाना संभव नहीं होगा। यही हाल बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में है, जिसकी 40 सीटों की तुलना में 65 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जिनका 162 प्रतिशत बनता है, लेकिन बैचलर ऑफ कॉमर्स में विपरित स्थिति बनी हुई है।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने बैठक करके उठाई मांग

अनपढ़ बुजुर्गों से डाकघर में पेंशन के लिए न करें गवाह की मांग

- ऐसे बुजुर्गों की कोई एक आईडी देखकर उन्हे पेंशन दे दी जाए
- सड़क के दोनों ओर फुटपाथ बनाए जाने का प्रस्ताव रखा ताकि दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक आसानी से आवागमन कर सकें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक रविवार किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने की। परम्परानुसार सर्वप्रथम इस माह के जन्मदिन पर सोम प्रकाश अग्रवाल व सैनी सभा के पूर्व प्रधान भगवान दास सैनी को सम्मान पट पहनाकर उनको सम्मानित कर दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर

नारनौल। बैठक में हिस्सा लेते वरिष्ठ नागरिक। फोटो :हरिभूमि

शिवलाल वर्मा ने माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार सड़क के दोनों ओर फुटपाथ बनाए जाने का प्रस्ताव रखा ताकि दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और आमजन आसानी से आवागमन कर सकें। रामनिवास सैनी ने बताया कि डाकघर में वृद्ध पैन्शन वितरित करते समय उनसे किसी गवाह को लाने के लिए कहा जाता है। बाहर से आए यह बुजुर्ग गवाह कहां से ला सकते हैं। ऐसे में प्रस्ताव पारित किया गया कि बुजुर्गों को पैन्शन उनकी कोई एक आईडी देखकर उन्हे पेंशन दे दी जाए। विजय सिंह यादव ने बताया कि सीआईए रोड से लेकर जलमहल, नई बस्ती और मालीटिब्बा तक सभी सीवर ओवरफ्लो हो रहें हैं, इन्हें ठीक करवाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। अजीत जैन ने हुडा सैक्टर में सड़क के दोनों ओर नाली बनवाने की मांग रखी, जिसे सर्वसम्मति से पारित करते हुए नगर परिषद से मांग रखने की बात कही। यदि सड़क के दोनों ओर नाली नहीं बनाई जाती है तो बरसात में सड़कों पर पानी एकत्रित रहेगा, जिससे सड़कें जल्द टूट जाएगी।

शहर मे चल रहे थ्री–व्हीलर के चालकों ने किराया एकदम 10 रुपये से 20 रुपये कर दिया है, इसमे संशोधन करने के लिए जिला प्रशासन से पहले भी अनुरोध किया जा चुका है किन्तु इस पर कोई कार्रवाई नही हुई है। इस पर पुनः विचार करके किराया कम किया जाए। नगर परिषद व जिला प्रशासन से मांग है कि उक्त वर्णित समस्याओं का तुरन्त समाधान करें। बैंठक का कुशल संचालन संगठन के संयुक्त सचिव प्रो. शिवहरि अग्रवाल ने किया। बैठक में शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, विजयसिंह यादव, मास्टर भागीरथ प्रशाद, रविन्द्र कुमार चौधरी, अजीत प्रकाश जैन, अशोक, बीएल सैनी, सुरेश जांगिड़, वासुदेव गोगिया, चेतन स्वरूप, सोम प्रकाश अग्रवाल, रामनिवास सैनी, गणपत राम सैनी, राजकुमार गुप्ता, सतबीर सिंह, शिवलाल वर्मा, रविन्द्र कुमार चौधरी, लालचंद सैनी, रामबिलास यादव, भानीसहाय मांडया, बाबूलाल, ओपी बत्रा, जसवंत सिंह यादव, भगवान दास सैनी, उमादत्त शर्मा और रामजीलाल मित्तल उपस्थित रहे।

खेत से 25 पंप व 10 फव्वारा पंप के साथ टी और बैंड उड़ा ले गए चोर

- गांव सुजापुर में वारदात, पुलिस ने केस दर्ज किया

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में इन दिनों फव्वारा चोर गिरोह सक्रिय हो रहा है, जो आए दिन किसानों के खेतों से कामयाब हो रहे हैं। फव्वारा के साथ अन्य सामान भी चोरी कर रहे हैं। अटेली क्षेत्र में किसान के खेत से पंप व फव्वारा पंप के साथ टी और बैंड अज्ञात चोर चुरा कर ले गए। पीड़ित किसान ने जिसकी शिकायत पुलिस होती है। पुलिस में दर्ज शिकायत में सुजापुर निवासी विद्वान ने बताया कि उसका खेत गांव से एक से डेढ़ किलोमीटर है। गत सात जुन उसके खेत में 25 पंप व 10 फव्वारा पंप सैट तथा एक टी और बैंड रखा हुए थे। जब वह सुबह खेत में गया तो उसको उसका सामान गायब मिला। वहीं पर अनजान गाड़ी के टायर खोज मिले थे। उसके पड़ोसी अमर चन्द के खेत सात पाइप भी चोरी हो गए। अटेली पुलिस ने पीड़ित किसान की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सार्वजनिक सूचना

रास्ते में बाधा बने हरे पेड़ों की बोली हेतु

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सुंदरोज, खंड खोल, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) के पंचायती रास्ते में बाधा बनकर खड़े 15 हरे पेड़ों की बोली दिनांक 09-06-2025 को प्रातः 10:00 बजे SC चौपाल पर लगाई जाएगी। इच्छुक बोलीदाता बोली का मौके पर पहुंचकर लाभ उठाएं। शर्तें मौके पर सुना दी जाएगी।

सरपंच- प्रवीन
ग्राम पंचायत सुंदरोज, खंड खोल, जिला रेवाड़ी (हरि०)
मो. 9729163270

ग्राम पंचायत कापड़ीवास
गांव-कापड़ीवास, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) 123110

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.06.2025 को ग्राम पंचायत कापड़ीवास में मछली पालन के लिए जोहड़ पट्टे पर देने के लिए पंचायत घर में प्रातः 10:00 बजे छोड़ा जाएगा। जिसकी बोली 25000/- रूपये एक वर्ष से शुरू होगी।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत कापड़ीवास
रेवाड़ी (हरियाणा)
मो. नं. 9416213621, 8930990221

खबर संक्षेप

लोहे का गेट व पाइप चोरी के मामले में दो आरोपी काबू

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने गांव काठूवास से लोहे का गेट व पाइप चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचाल दीपक निवासी शहबाजपुर खालसा व सलमान निवासी मेरठ सिटी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। गांव काठूवास निवासी पवन यादव ने पुलिस का दी शिकायत में बताया था कि 7 जून को रात करीब 11 बजे जब वह घर के बाहर था तो दो लड़के एक लोहे का गेट व एक लोहे का पाइप मोटर साईकिल रेहड़ी पर रख कर ले जा रहे है। शक होने पर उसने दोनों को रुकने के लिए कहा तो आरोपियों ने मोटर साइकिल रेहड़ी को भगा लिया। पवन ने उनका पीछा करके दोनों को पकड़ लिया तथा जब उनसे गेट व पाइप के बारे में पूछा तो वे टाल-मटोल करने लगे। पवन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और चोरी का सामान कब्जे में ले लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

धनवंतरी आयुर्वेद पुरस्कार के लिए 30 तक आवेदन

रेवाड़ी। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय धनवंतरी आयुर्वेद पुरस्कार- 2025 के लिए आयुर्वेदिक विशेषज्ञों से 30 जून तक आवेदन मांगे गए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय धनवंतरी आयुर्वेद पुरस्कार ऐसे आयुर्वेद विशेषज्ञों को प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए हैं, जो भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग अधिनियम अथवा भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार मान्यता प्राप्त योग्यता रखते हैं और जिन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में अपना अपार योगदान दिया है। पुरस्कार विजेताओं को वार्षिक आयुर्वेद दिवस यानी 23 सितंबर को 5 लाख रुपये के पुरस्कार व ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

फर्जी वेबसाइट से सतर्क रहें अभ्यर्थी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सीईटी-2025 वन टाइम रजिस्टेशन पोर्टल के लिए कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से फर्जी वेबसाइट तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की फर्जी गतिविधियों को आयोग अत्यंत गंभीरता से ले रहा है। डीसी ने कहा कि अभ्यर्थी हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की सीईटी-2025 के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन करते समय विशेष सतर्कता बरतें और केवल आयोग के अधिकृत पोर्टल वनटाइमरीजन.हरियाणा.जीओवी.इन के माध्यम से ही आवेदन करें। डीसी ने कहा कि अभ्यर्थी किसी भी संदिग्ध वेबसाइट, लिंक या संदेश से सावधान रहें तथा केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट और प्रमाणिक संचार माध्यमों पर ही भरोसा करें। अभ्यर्थी किसी भी जानकारी या सहायता के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पलाइन नंबर 9063493990 अथवा ईमेल आईडी के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

ताड़ासन करने से बच्चों के कद में वृद्धि होती है, मन होता एकाग्र

रेवाड़ी। ताड़ासन की मुद्रा में युवती।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

21 जून को प्रत्येक वर्ष पूरी दुनिया में विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी जगह कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जाता है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के योग आचार्य डा. धर्मवीर यादव योग पर 7 से अधिक किताबें लिख चुके हैं। योग ए वे ऑफ लाइफ इनकी प्रसिद्ध पुस्तक है। जो हिंदी और इंग्लिश दोनों मीडियम में उपलब्ध है। इस पुस्तक में योग प्रोटोकॉल के साथ साथ 50 से अधिक आसनों के बारे में जानकारी दी गई है। डा. धर्मवीर ने ताड़ासन का परिचय देते हुए बताया कि ताड़ एक वृक्ष का नाम है, जिसे अंग्रेजी में पाम ट्री कहते हैं। यह पेड़ नारियल वह खजूर की तरह सीधा और लंबा होता है। इस आसन में शरीर की स्थिति ताड़ वृक्ष की तरह दिखाई देती है, इसलिए इस आसन को ताड़ासन कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कराए जाने वाले योग प्रोटोकॉल का पहला आसन ताड़ासन ही है।

रेवाड़ी। आचार्य डा. धर्मवीर।

रेवाड़ी। ताड़ासन की मुद्रा में युवती।

ताड़ासन की अभ्यास विधि

सर्वप्रथम समस्थिति में खड़े हो जाए और दोनों पैरों के बीच में दो से तीन इंच का अंतर रखें। दोनों हाथों को बगल से उठाते हुए, दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में एक दूसरे में फंसाएं और हथेलियां को आसमान की तरफ रखते हुए दोनों भुजाओं को सिर से ऊपर उठाएं। दोनों भुजाओं को ऊपर उठाने के साथ ही धीरे-धीरे एड़ियों को भी जमीन से ऊपर उठाएं और दोनों पैरों की उंगलियों पर संपूर्ण शरीर का संतुलन बनाएं। इस स्थिति में श्वास रोकते हुए 15 से 20 सैकेंड तक रुकने का प्रयास करें। श्वास को छोड़ते हुए धीरे-धीरे दोनों एड़ियों को जमीन पर टिकाएं और दोनों हाथों को नीचे ले आए अर्थात प्रारंभिक स्थिति में आ जाए। ताड़ासन का यह एक चक्र पूर्ण हुआ। इस प्रकार ताड़ासन को 3 से 5 बार कर सकते हैं।

ताड़ासन करने के लाभ

इस आसन के अभ्यास से बच्चों के कद में वृद्धि होती है। शरीर में स्थिरता आती है और मन एकाग्र होता है। शरीर की अकड़न जकड़न दूर होती है तथा शरीर लचीला बनता है। घुटनों का मिलना और पैरों का चपटा होना इस आसन के नियमित अभ्यास से ठीक हो जाते हैं। श्वसन तंत्र और पाचन तंत्र मजबूत होता है। श्वास रोग, हृदय रोग आदि इसके नियमित अभ्यास से दूर होते हैं। मोटापा कम होता है और शरीर सुडौल बनता है। सुबह पानी पीने के बाद इस आसन का अभ्यास करने से कब्ज, गैस, अपच एवं अन्य पेट संबंधित समस्याएं दूर होती है तथा व्यक्ति पूरे दिन तरो-ताजा महसूस करता है।

आसन करते समय इन बातों का रखे ध्यान

ताड़ासन करते समय सांसों में तालबद्धता बनी रहनी चाहिए। अपनी दृष्टि को आंखों के समानांतर सामने किसी निश्चित बिंदु पर टिकाएं रखना है। दोनों हाथ इंटरलॉक न होने पर सामान्य हाथ जोड़कर भी इस अभ्यास को पूर्ण किया जा सकता है। सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी आना, हृदय रोग, निम्न रक्तचाप, उच्च रक्तचाप, अर्थराइटिस, घुटने का दर्द व एड़ी के दर्द सहित अन्य जटिल समस्याओं में ताड़ासन का अभ्यास नहीं करना चाहिए। गर्भावस्था एवं महावारी के समय भी इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए।

शहर में निकली राधा-कृष्ण प्रभात फेरी, गूंजा राधे-राधे का स्वर

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 125वीं राधा-कृष्ण प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह आयोजन मौहल्ला नलापुर स्थित संतोषी माता मंदिर के पास से प्रारंभ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रभात फेरी के यजमान उषा अग्रवाल पत्नी प्रमोद अग्रवाल ने अपने निवास स्थान पर ठाकुरजी की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर फेरी का शुभारंभ किया।

आयोजन का वातावरण पूर्णतः भक्तिमय रहा। ढोल-नगाड़ों की थाप पर, हाथों में डफली, झांझ-मंजीरा और घंटियां लिए श्रद्धालु राधे-राधे के मधुर नाम का संकीर्तन करते हुए प्रभात फेरी में आगे बढ़ते रहे। छोटे-छोटे बच्चों की जयकारों और भक्तों के उल्लास ने सुबह को अध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस आयोजन ने नारनौल की गलियों को वृंदावन की कुंज गलियों की भांति भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर सीएम फ्लाइंग ने पकड़े डंपर

ओवरलोड डंपरों पर सीएम फ्लाइंग का शिकंजा, चौदह डंपर पकड़े, वसूला जुर्माना

- आठ लाख 73 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर रविवार को सीएम फ्लाइंग ने आरटीए स्टाफ व पुलिस के साथ मिलकर ओवरलोड डंपरों की धरपकड़ के लिए एक बार फिर विशेष अभियान चलाया। सीएम फ्लाइंग टीम ने अभियान के दौरान 14 ओवरलोड डंपर पकड़कर 8 लाख 73 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला। सीएम फ्लाइंग की लगातार चल रही कार्रवाई से नेशनल हाइवे से डंपरों की संख्या कम होने लगी है। इस नेशनल हाइवे से बड़ी संख्या में ओवरलोड डंपर भवन निर्माण सामग्री राजस्थान से लेकर गुरूग्राम, दिल्ली व फरीदाबाद की ओर निकलते हैं। आरटीए टीम के चेकिंग पर निकलने से पहले डंपर चालकों तक सूचना पहुंच जाती है, जिस कारण इन डंपरों को राजस्थान की सीमा में खेड़ा बॉर्डर के पास ही रोक दिया जाता है।

राजस्थान की सीमा में आटीए टीम को ऐसे डंपरों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार नहीं है। रविवार को सीएम फ्लाइंग ने आरटीए टीम व पुलिस को साथ लेकर दिल्ली-जयुपर हाइवे पर चेकिंग शुरू की, जिसके बाद 14 डंपर सीएम फ्लाइंग के लपेटे में आ गए। टीम का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग के इंस्पेक्टर सतेंद्र और आरटीए विभाग के योगेश कुमार ने किया।

रेवाड़ी। हाइवे पर पकड़े गए ओवरलोड डंपर व मौजूद चालक। फोटो : हरिभूमि

दो जून को 97 डंपरों पर लगाया था जुर्माना

सीएम फ्लाइंग दो जून को दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर पहुंची थी। टीम ने हाईवे से गुजरने वाले डंपरों को रोकना शुरू किया और उनका वजन चेक किया तो नियमों से अधिक पाया गया। कार्रवाई के दौरान 97 डंपरों पर 69.89 लाख रुपये जुर्माना उनके वजन के हिसाब से किया गया तथा जुर्माना राशि का भुगतान न करने वाले 13 डंपरों को आरटीए ने इंपाउंड कर दिया। रविवार को सीएम फ्लाइंग टीम ने 14 ओवरलोड डंपरों पर 8.73 लाख रुपये का जुर्माना किया। काफी समय बाद सीएम फ्लाइंग की ओर से ओवरलोड डंपरों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई के बाद हाइवे पर नजर नहीं आए डंपर

सीएम फ्लाइंग की जून माह में ओवरलोड डंपरों पर दूसरी कार्रवाई से हाइवे से डंपर गायब होने लगे है। नेशनल हाइवे पर वाहनों की चेकिंग शुरू होते ही जयसिंहपुर खेड़ा बॉर्डर पार कर चुके डंपर लपेटे में आ गए। इसके बाद अन्य डंपर चालकों तक रेड की सूचना पहुंची, तो हाइवे से ओवरलोड डंपर गायब हो गए। शाम तक चेकिंग के डर से ओवरलोड डंपर हरियाणा की सीमा में नजर नहीं आए।

रेवाड़ी। कैंप में विद्यार्थियों को सम्मानित करते बीईओ व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

मॉडल संस्कृति स्कूल में समर कैंप का समापन

- कार्यक्रम में मुख्यातिथि खंड शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र यादव थे
- कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य जितेन्द्र ने की
- विद्यार्थियों को सभी राज्यों की संस्कृति से अवगत करवाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

शहीद जीतराम राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय नाहड़ में चल रहे सात दिवसीय समर कैंप का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि खंड शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र यादव थे, जबकि अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य जितेन्द्र ने की। सात दिवसीय शिविर में प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की भाषा का ज्ञान करवाया व व्यंजन बनाने की विधि सिखाई। पेंटिंग एवं चित्रकला के बारे में भी बताया गया। विद्यार्थियों को सभी राज्यों की संस्कृति से अवगत करवाया गया तथा स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी दी गई। कैंप में 75 विद्यार्थियों ने भाग लिया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कक्षा 11वीं की छात्रा राधा व बारहवीं की छात्रा नेहा को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया। इस मौके पर बीईओं ने कहा कि इस तरह के कैंप से विद्यार्थियों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। समर कैंप में भाग लेते वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रवक्ता सुमन, उगेश यादव, ललित कुमार, डीपी पवन कुमार व मनीष कुमार मौजूद थे। मंच संचालन डा. पूनम ने किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रमोद यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यादव कल्याण सभा के कैंप में 120 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 120 लोगों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं व दवाइयां प्रदान की गई। डा. एच आर यादव ने मेडिसन, डा. आत्म प्रकाश यादव ने हड्डीरोग, डा. प्रदीप यादव ने सर्जरी, डा. सुमन यादव ने स्त्रीरोग व डा. विदुला यादव ने नेत्ररोग के रोगियों की जांच की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने फिजियोथेरेपी में फ्री सेवाएं दी। शिविर के आयोजन में जसवंत सिंह यादव, शशिभूषण यादव, गोकल राम, राम सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रोः सतीश यादव व आरएस यादव ने सहयोग दिया।

रेवाड़ी। कैंप में व्यक्ति की जांच करते हुए डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों से रोचक गतिविधियां कराई

सीहा स्कूल में समर कैंप सम्पन्न, दो दर्जन विद्यार्थी किए गए सम्मानित

खास बातें

- विद्यार्थियों ने अध्यापिका लक्ष्मी यादव तथा मंजू शर्मा के संयोजन में मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गांव सीहा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे साप्ताहिक भारतीय भाषा समर कैंप का रविवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। विद्यालय के स्टाफ सचिव यशपाल आर्य ने बताया कि प्राचार्य सत्यवीर नाहड़यिा के मार्गदर्शन में विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों से रोचक गतिविधियां कराई, जिनमें करीब 7 दर्जन विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समापन कार्यक्रम में प्रतिदिन की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति तथा गतिविधि के दो दर्जन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अध्यापिका लक्ष्मी यादव तथा मंजू शर्मा के संयोजन में मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, वहीं प्राध्यापिका अनीता यादव व सीमा यादव ने विद्यार्थियों को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक नरेश कुमार ने स्कूल प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत, शिक्षा विभाग तथा विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों का आभार जताया।

रेवाड़ी। समर कैंप के समापन पर शिक्षकों के साथ पुरस्कृत विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्राएं तथा कैंप के समापन पर शिक्षकों के साथ विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

लक्ष्य को निर्धारित करके आगे बढ़ने से मंजिल जरूर मिलेगी : प्रदीप

- कोई भी कार्य करने से पहले माता-पिता को ध्यान में रखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बावल में रविवार को सात दिवसीय भारतीय भाषा शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चौधरी चरणसिंह कृषि विश्विधालय के निदेशक डा. धर्मबीर यादव थे तथा अध्यक्षता प्राचार्य प्रदीप कुमार यादव ने की। प्राचार्य ने कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करके आगे बढ़ने से मंजिल जरूर मिलेगी। कोई भी कार्य करने से पहले माता-पिता को ध्यान में रखे, जिससे गलत कार्य से बचने की प्रेरणा मिलेगी।

नोडल अधिकारी सुखबीर सिंह ने सात दिवसीय कैंप की अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। डा.धर्मबीर यादव ने कहा कि टीचरों की डाट बच्चों को सही दिशा प्रदान करती है। अनुशासन से बड़ा कोई मोटिवेशन नहीं होता, जिसके पास लाइफ में अनुशासन होगा, उसको कामयाबी अवश्य मिलेगी।

इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अल्पना, सुमन यादव, अनूप कुमार व कविता सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

कार्यक्रम मुख्य अतिथि नई दिशा युवा मंच के निशांत यादव, शीशराम यादव व दिनेश कपूर रहे

गो सेवक सोनू सरपंच के बलिदान को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया

बच्चों को वीरों की गाथाएं सुनाने से प्रबल होंगे देशभक्ति के संस्कार : भारद्वाज

- खुशियों के ब्रांड एंबेसडर प्रदीप शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में गो सेवक सोनू सरपंच के बलिदान को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि नई दिशा युवा मंच के प्रधान एडवोकेट निशांत यादव, पूर्व सरपंच शीशराम यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि वीर हकीकत राय ने 14 वर्ष आयु में धर्म बदलने से इंकार कर दिया तो उनका बर्बरता से वध कर दिया। करतार सिंह सराभा मात्र 19 वर्ष की आयु में भारत माता की आजादी के लिए बलिदान हो गए। शहीदे आजम भगत सिंह ने मात्र 23 वर्ष की आयु में हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया। गो सेवक सोनू सरपंच भी गोमाता की रक्षा करते हुए हत्यारों की गोली का शिकार हो गए। आज गो सेवक सोनू सरपंच का बलिदान सभी के लिए महान प्रेरणा बन गया। पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, हिंदू युवा वाहिनी के जिला प्रभारी श्याम सुंदर हिंदू, विश्व हिंदू परिषद के जिला सचिव राजकुमार यादव, मनोज कुमार सरपंच बालियर कलां, राजकुमार चेयरमैन कतोपुरी ने कहा कि गोशालाओं में गोमाता के संरक्षण व संवर्धन का कार्य तेजी से आगे बढ़ा है। महिला प्रधान निशा सीकरी, संयोजक शशि जुनेजा, शिक्षाविद मधु गुप्ता, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व वरिष्ठ भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज ने कहा कि आज आवश्यकता है, घरों में बच्चों को वीरों की गाथाएं सुनाने की। इससे बच्चों में भी देशभक्ति के संस्कार प्रबल होंगे। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए गुरू तेग बहादुर शहीदी जत्थे के संयोजक सरदार कश्मीर सिंह, पतंजलि के मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार, प्रधान अरूण गुप्ता, शिक्षाविद बलबीर अग्रवाल, प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव, प्रो. सीएल सोनी व खुशियों के ब्रांड एंबेसडर प्रदीप शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अतिथियों को स्वामी विवेकानंद, शहीदे आजम भगतसिंह, स्वामी दयानंद, राम दरबार, भगवान शंकर व नेताजी सुभाष चन्द बोस के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में समाजसेवी राजेंद्र गेरा, हिमांशु पिपलानी व विनोद गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि